Journal Homepage: www.ijarpr.com ISSN: 3049-0103 (Online)

**International Journal of Advance Research Publication and Reviews**

Vol 02, Issue 09, pp 73-76, September 2025

# भारत में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का महत्व एवं वर्तमान युग में इसकी प्रासंगिकता

डॉ*o* अजय कुमार सिंह

प्राचार्य, शिक्षक शिक्षा विभाग, शक्ति स्मारक संस्थान दुल्हिनपुर, बलरामपुर (उत्तर प्रदेश) *271201*

*Email - ajaymeenamahi@gmail.com*

भूमिका

हाल ही में शिक्षा पूरी तरह बदल गई है, स्कूल शायद वैसे न हों जैसे हममें से कुछ लोग अपनी किशोरावस्था से याद करते हैं। चॉकबोर्ड अब व्हाइटबोर्ड और पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन आदि में बदल गए हैं। शिक्षा एक कभी न खत्म होने वाली प्रक्रिया है; यह करियर शुरू करने या डिग्री हासिल करने के बाद नहीं रुकती। जैसे एक अच्छा छात्र जानकारी के ढांचे के भीतर सीखता रहता है, वैसे ही शिक्षण एक विकसित कौशल है क्योंकि एक अच्छे शिक्षक को कक्षा में प्रासंगिक बने रहने के लिए खुद को निरंतर निखारने की जरूरत होती है। शिक्षण एक आजीवन प्रक्रिया है और शिक्षण और सीखना साथसाथ चल-ते हैं यही कारण है कि स्कूलों के लिए शिक्षकों के पेशेवर विकास में निवेश करना महत्वपूर्ण है।

**संकेत शब्द**-- शिक्षण, शिक्षा नीति, प्रशिक्षण, कार्यशाला, नवाचार |

## प्रस्तावना

हमारे राष्ट्र के भावी व्यक्तियों को कुशल और सुविज्ञ बनाने के लिए, हमें उन शिक्षकों को कुशल बनाने की आवश्यकता है जो इस शक्ति को कुशलतापूर्वक संचालित कर सकें। शिक्षक कार्यशालाओं का प्रशिक्षण, शैक्षणिक डिग्रियों बीएड), एमएड की तैयारी के दौरान रह ( गई कमियों को दूर करता है और उनकी पूर्ति करता है। इससे शिक्षकों में छात्रों को सार्थक रूप से संलग्न करने का आत्मविश्वास और कौशल बढ़ता है।

- शिक्षक कार्यशालाओं के लिए प्रशिक्षण उन्हें अपने नियमित कार्यक्रम से बाहर निकलने का मौका मिलता है—यहाँ वे शिक्षक की बजाय छात्र बन जाते हैं। इससे शिक्षकों का उत्साह बना रहता है क्योंकि उन्हें पता होता है कि उन्हें बेहतर शिक्षक बनने के लिए आवश्यक पेशेवर सहायता मिल रही है।

- सतत व्यावसायिक विकास शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण अंग साबित हुआ है। शिक्षक कार्यशालाओं के प्रशिक्षण- में उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में नवीनतम शोध से अवगत कराने पर ज़ोर दिया जाता है।

- यह ज़रूरी है कि शिक्षक जानें कि बच्चे कैसे सीखते हैं और शिक्षा प्रणाली में निरंतर बदलावों के साथ, शिक्षक कार्यशालाओं के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता है ताकि उन्हें सीखने में मदद मिल सके या सीखने को प्रोत्साहित करने और कक्षाओं में छात्रों की रुचि सुनिश्चित करने के लिए नई शिक्षण रणनीतियाँ तैयार की जा सकें। व्यावसायिक विकास शिक्षण वातावरण को उनके कौशल को निखारने और छात्रों को परिणामउन्मुख शिक्षण अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार करता है।-

- शिक्षकों को सहयोग करना, नवाचार करना और चिंतन करना सीखना चाहिए और यहीं पर व्यावसायिक विकास की बात सामने आती है।

- शिक्षक कार्यशालाओं के लिए प्रशिक्षण से शिक्षकों को अपने मूल्यांकन और शिक्षण विधियों को ट्रैक करने और अद्यतन करने में मदद मिलती है, जिससे वे शैक्षणिक दृष्टिकोण से और साथ ही वेबिनार, पाठ्येतर मॉड्यूल आदि जैसी प्रक्रियाओं के लिए अधिक उन्नत और अद्यतन तकनीकों का पता लगाने में सक्षम होते हैं।

- कक्षा की तैयारी में लगने वाले घंटों के अलावा, शिक्षकों का अधिकांश समय छात्रों के मूल्यांकन, पाठ्यक्रम निर्माण और अन्य कागजी कार्यों में व्यतीत होता है। शिक्षक कार्यशालाओं के लिए प्रशिक्षण उन्हें अपने समय की बेहतर योजना बनाने और व्यवस्थित रहने में मदद कर सकता है। इससे शिक्षक अधिक उत्पादक बनते हैं और उन्हें कागजी कार्यों के बजाय छात्रों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अधिक समय मिलता है।

- महान शिक्षक महान छात्रों को जन्म देते हैं। वारतव में, शोध रो पता चलता है कि जिन छात्रों के शिक्षक सुविज्ञ होते हैं, वे अपने साथियों की तुलना में कहीं बेहतर प्रदर्शन करते हैं। इसलिए, यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि हम नए और अनुभवी, दोनों तरह के शिक्षकों को कैसे प्रशिक्षित और समर्थित कर सकते हैं।

- शिक्षक कार्यशालाओं के लिए अच्छे प्रशिक्षण से सकारात्मक शिक्षण वातावरण का निर्माण होता है। एक सकारात्मक वातावरण शिक्षकों और छात्रों, दोनों के अच्छे प्रदर्शन को सुनिश्चित करता है। इसके परिणामस्वरूप, बच्चे खुश होते हैं और स्कूल आना चाहते हैं।

एक उत्कृष्ट और सफल शिक्षक बनने का एकमात्र तरीका है, "सीखना, भूलना और फिर से सीखना। इसलिए", शिक्षक कार्यशालाओं के लिए प्रशिक्षण अनिवार्य है।

## अध्ययन का औचित्य

शिक्षक कार्यशालाओं के लिए उचित प्रशिक्षण के बिना, वास्तविक कक्षा के वातावरण में व्यावहारिक शिक्षण विधियों के साथ प्रयोग करना मुश्किल हो सकता है, क्योंकि छात्र अवधारणाओं को ठीक से समझने और अपने इच्छित स्तर पर प्रदर्शन करने में विफल हो सकते हैं। वर्तमान में शिक्षक द्वारा अपनाए जा रहे दृष्टिकोण की तुलना में एक अलग दृष्टिकोण बेहतर शिक्षण अनुभव प्रदान कर सकता है। किसी अवधारणा को पढ़ाने के इन विभिन्न तरीकों को शिक्षक द्वारा स्पष्ट रूप से समझा जाना चाहिए, तभी वैकल्पिक तरीकों का उपयोग किया जा सकता है यदि कोई एक वांछित परिणाम देने में विफल रहता है। सही प्रक्रियाओं को अपनाकर, एक शिक्षक छात्रों का विश्वास जीत सकता है और उन्हें अधिक प्रभावी ढंग से सीखने में मदद कर सकता है।

आज के छात्र राष्ट्र का भविष्य होंगे और इसके लिए आधार तैयार करने की ज़िम्मेदारी शिक्षकों की है। इसलिए, हमें यह समझना होगा कि जब शिक्षक सीखना बंद कर देंगे, तो छात्र भी सीखना बंद कर देंगे।

इसलिए, शिक्षक कार्यशालाओं के लिए प्रशिक्षण यह समय की माँग है और शिक्षकों के लिए खुद को सुसज्जित करने और 21 वीं सदी के शिक्षार्थियों की निर्बाध रूप से सेवा करने हेतु निरंतर सुधार आवश्यक है।

हर कोई इस तथ्य से अवगत है कि **आज की युवा पीढ़ी हमारे भविष्य के नेता हैं** । ऐसे कई कारक हैं जो हमारे भविष्य के नेताओं को आकार देने के लिए जिम्मेदार हैं। क्या हम उस स्रोत के बारे में जानते हैं जो हमारी भावी पीढ़ी को आकार देने में योगदान देता है? इसका उत्तर है **"शिक्षक" जो हमारी शिक्षा प्रणाली की रीढ़ हैं** । वे वे हैं जो सीखने की अपनी संवेदनशील उम्र के दौरान छात्रों के विकास का पोषण कर सकते हैं। इस प्रकार, कुशल शिक्षकों का छात्रों को सर्वोत्तम कौशल और ज्ञान प्रदान करने पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि वे ज्ञान और शिक्षा का पहला स्रोत हैं जो छात्रों के विकास और विकास पर प्रभाव डालते हैं। हालांकि, शिक्षकों को पर्याप्त और उचित प्रशिक्षण प्राप्त करने की आवश्यकता के साथ शिक्षा प्रणाली पिछले कुछ वर्षों में बदल रही है। आइए पहचानें कि एक प्रभावी और कुशल शिक्षक बनने के लिए हम सबसे अच्छा क्या संदर्भित कर सकते हैं और शिक्षा के पेशे में अपना करियर सफलतापूर्वक बना सकते हैं।

## शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का महत्व और आवश्यकता

21वीं सदी में, नवीनतम शिक्षण तकनीकों पर आधारित शिक्षकों का प्रशिक्षण शिक्षा प्रणाली के समग्र सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आजकल, छात्रों को पुरानी और अप्रचलित शिक्षण विधियों का उपयोग करके भविष्य के लिए तैयार नहीं किया जा सकता। शिक्षकों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक छात्र की अपनी विशिष्ट सीखने की क्षमता हो। इसलिए, उन्हें शिक्षण की ऐसी विधियाँ या रणनीतियाँ अपनानी चाहिए जो प्रत्येक छात्र की आवश्यकताओं के अनुरूप हों। एक शिक्षक के रूप में, हमके लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि हमके छात्र अद्वितीय व्यक्ति हैं और उनकी सीखने की क्षमताएँ अलग अलग होती हैं। यदि-हमें अपने छात्रों की आवश्यकताओं

की स्पष्ट समझ है, तो हम उन्हें अधिक सकारात्मक रूप से पूरा कर पाएँगे, जिससे बड़ी संख्या में छात्रों पर प्रभाव पड़ेगा। शिक्षक प्रशिक्षण हमें अपने छात्रों के सीखने के अंतराल को पहचानने और उन्हें पूरा करने में मदद कर सकता है ताकि हम उनके ज्ञान के स्तर को बढ़ाने में उनकी मदद कर सकें। इसके अलावा, उपयुक्त कौशल, ज्ञान और उपकरणों के बिना शिक्षकों के लिए इन चुनौतियों की पहचान करना संभव नहीं है। इस प्रकार, शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम हमें अपने छात्रों को सर्वोत्तम शिक्षण अनुभव प्रदान करने के लिए एक शिक्षक के ज्ञान और कौशल तक पहुँच प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं।

**सामाजिक परिवर्तन लाने में योगदान :-** समाज और रहन सहन की परिस्थितियाँ वर्षों से विकसित हो रही हैं।-इसके साथ ही, हमें भी अपने हम को तदनुसार बदलने की आवश्यकता है। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से, हम इसमें जीवित रहने के लिए अद्यतन रहना भी सीख सकते हैं। आज के निरंतर बदलते परिदृश्य में, शिक्षा और अधिगम एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह हमारी भावी पीढ़ी को परिवर्तनों के अनुकूल होने और उनमें टिके रहने की उनकी क्षमताओं को बढ़ाने के तरीकों के बारे में शिक्षित करता है। शिक्षक शिक्षा के कार्यक्रम और पाठ्यक्रम शिक्षकों को सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए सशक्त बनाने में मदद करते हैं। यह लोकतंत्र, समानता, विविधता या मानवाधिकार जैसे ज्ञानवर्धक कारकों की मदद से संभव है। यह शिक्षकों को विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर विचार करने में भी सक्षम बनाता है जिनका समाज और छात्रों पर प्रभाव पड़ सकता है। आज की आधुनिक दुनिया में, प्रतिस्पर्धा को बनाए रखने और विस्तार करने के लिए सामाजिक चुनौतियों से लड़ना महत्वपूर्ण है। हमारी वर्तमान और भावी पीढ़ी को उन सकारात्मक बदलावों के बारे में शिक्षित करना भी महत्वपूर्ण है जो वे समाज में ला सकते हैं। इस प्रकार, उन्हें अपने शिक्षकों की मदद से इसके बारे में जागरूक किया जा सकता है। शिक्षकों की यह ज़िम्मेदारी है कि वे उन्हें अच्छे और बुरे के बीच का अंतर समझाने में मदद करें। हम एक अच्छे शिक्षक पर भरोसा कर सकते हैं कि वह अपने छात्रों को सकारात्मक और उपयोगी ज्ञान प्रदान करेगा जो भविष्य में समाज को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। इसलिए, एक प्रशिक्षित शिक्षक अपने छात्रों को उनके अधिकारों के लिए लड़ने और समाज की भलाई के लिए खड़े होने में मदद कर सकता है।

**करियर की संभावनाओं और रोजगार क्षमता में वृद्धि** :- क्या हम एक शिक्षक के रूप में अपने करियर में दीर्घायु और सफलता की तलाश कर रहे हैं? शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम हमें विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ाने में सक्षम होने के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यता और प्रमाणपत्र प्रदान कर सकते हैं। ये हमके लिए हमारी रुचि के विषय में अनुसंधान और उच्च शिक्षा प्राप्त करने के विभिन्न अवसर खोलने के लिए भी जिम्मेदार हैं। **छात्र प्रबंधन कौशल बढ़ाएँ** :- यदि हम शिक्षण वातावरण को सर्वोत्तम बनाना चाहते हैं, तो हमें अपने छात्रों की शैक्षिक आवश्यकताओं को समझने में सक्षम होना चाहिए। हम कक्षा में अपने छात्रों की बदलती आवश्यकताओं की व्याख्या कैसे कर सकते हैं? शिक्षकों के लिए, प्रत्येक छात्र की पहचान करना, उसे समझना और उसका प्रभावी ढंग से विश्लेषण करना महत्वपूर्ण है। कुशल शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शिक्षकों के आलोचनात्मक चिंतन, पारस्परिक कौशल, समस्या-समाधान और संचार कौशल विकसित करने में मदद कर सकते हैं जो प्रभावी शिक्षण के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। हम अपने छात्रों की क्षमताओं को समझने और उसके अनुसार अपनी शिक्षण शैली या रणनीतियों को ढालने की क्षमता प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रकार, जब हम अपनी शिक्षण रणनीतियों को छात्रों की आवश्यकताओं और सीखने की क्षमता के साथ संरेखित कर सकते हैं, तो हम एक प्रभावशाली कक्षा वातावरण बना सकते हैं।

**छात्रों के सीखने को बढ़ावा देना** :- एक शिक्षक के रूप में, हमारी ज़िम्मेदारी अपने छात्रों के सीखने के अनुभव को बेहतर बनाना और उन्हें अकादमिक सफलता प्राप्त करने में मदद करना है। इसलिए, यह हमका निर्णय है कि हम इसके लिए आवश्यक कौशल में विशेषज्ञता कैसे प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम हमें परिणाम-आधारित और शिक्षार्थी-केंद्रित निर्देश तैयार करने और प्रदान करने में सक्षम बना सकता है। यह विविध छात्रों की आवश्यकताओं और रुचियों को बेहतर ढंग से पूरा करने में मदद करेगा। ये कार्यक्रम शिक्षकों को अपने छात्रों के सीखने की निगरानी और उसे बढ़ाने के लिए मूल्यांकन के विभिन्न तरीकों और फीडबैक तंत्रों का उपयोग करने में भी मदद करते हैं। हम अपने छात्रों के सीखने और प्रदर्शन का आकलन करने के लिए बेहतर रणनीति बना सकते हैं जिससे हमें उनके कमजोर क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिल सकती है।

## उपसंहार –

शिक्षा प्रणाली में किसी भी प्रकार के बदलाव और उपकरणों और तकनीकों के उपयोग से अपडेट रहने के लिए हमें निरंतर सीखने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। शिक्षकों के लिए एक कुशल शैक्षिक कार्यक्रम में दाखिला लेकर, हम एक अभिनव कक्षा के माहौल में समायोजित होना सीख सकते हैं। यह हमके लिए शिक्षण और शिक्षा प्रणाली में विभिन्न करियर के अवसरों के द्वार भी खोल सकता है जो हमके लिए फायदेमंद हो सकते हैं। हम समग्र शिक्षण और सीखने के अनुभव में बदलाव ला सकते हैं जो हमके छात्रों को भविष्य में प्रतिस्पर्धी बाजार का सामना करने के लिए तैयार कर सकता है।

## संदर्भ ग्रंथ-सूची


1. आर .ए.दुबे, आर्थिक विकास एवं नियोजन, नेशनल पब्लिशर्य हाउस नई दिल्ली
2. जैन, डॉ.के.एम ., शोध विधियाँ, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन नई दिल्ली, 2016
3. डॉ ामोरिया भारत की (2022) .शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम और प्रगतिशील विचारसमस्याएँ , साहित्य भवन पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूट्स 2017-18
4. डॉशर्मा .पी.ओ ., भारत में नियोजित विकास और आर्थिक उदारीकरण, रामप्रसाद एण्ड संस 2022-23
5. उद्यमी, उद्योग और स्वरोजगार चतुर्थ संस्करण उद्यमिता केन्द्र -उ प्र.2019
6. भारत की जनगणना जनसंख्या के अनंतिम आंकड़े -, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा 2021
7. Patel L. and Shah Nimish (2014), "India's Skills Challenge: Reforming Vocational Education and Training to Harness the Demographic Dividend". ISBN-10: 0199452776, ISBN-13: 978-0199452774.
8. Shrivastava P., Techno-Vocational Skills Acquisition and Poverty Reduction Strategies, ISBN13: 9783659363672 ISBN10: 3659363677, Publisher: LAP
9. जिला उद्योग केन्द्र द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट ,प्रगतिशील विचार, दैनिक समाचार, दैनिक भास्कर, राज एक्सप्रेस, पत्रिका 2025।
10. डॉ,प्रमिला कुमा . शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम और प्रगतिशील विचार हिन्दी ग्रंथ अकादमी .2000
11. डॉ .एल.बी .गुप्ता, शिक्षा कार्यक्रम साहित्य भवन पब्लिशर्स डिस्ट्रून्यूटर्स 2025
12. डॉचतुर्वेदी .एन.डी ., डॉसिन्हा .सी.पी ., आर्थिक शोध के तल, लोक भारती प्रकाशन 2023
13. कटरिया , भारत में शिक्षा कार्यक्रम पब्लिकेशन मेरठ 2022
14. एसपुरी .के.मिश्रा बी .के., (2019 शिक्षा कार्यक्रम ओर प्रगतिशील विचार, हिमालय पब्लिशिंग हाउस 2017
15. शर्मा वीरेन्द्र प्रकाश, रिसर्च मेथडोलांजी, पंचशील प्रकाशन जयपुर 2024